जनसंदेश टाइम्स

28.09.2018

आईआईटी की देश की सुरक्षा में भूमिका

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-बीएचयू) अब देश की सुरक्षा में भी अहम् भूमिका निभाएगा। प्रदेश सरकार की तरफ से डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर की स्थापना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस कॉरीडोर के नॉलेज पार्टनर के रूप में आईआईटी (बीएचयू) को परियोजना के बारे में तकनीक और कौशल विकास की जानकारी व सहयोग देने के लिए प्रस्ताव के अनुसार 15 करोड़ रुपये देने का निर्देश दिया गया है ।

बता दें कि लखनऊ स्थित शास्त्री भवन में बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री की तरफ से परियोजना की प्रगति समीक्षा के दौरान संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने परियोजना में संस्थान की भागीदारी कैसे हो, इस पर प्रस्तुति दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को पांच प्रमुख बिन्दुओं पर जानकारी दी जिसमें स्मार्ट और सेंसर मैटेरियल्स,

प्रक्रिया शुरू

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर के स्थापना की प्रक्रिया शुरू

कंपोजिट, धातु और मिश्रित धातु, नवीन पद्धतियों और तकनीकों, सुरक्षा व खतरों की जांच और रक्षा वास्तु कला, मशीनिंग और असेंबली प्रीसीशन इंजीनियरिंग आदि प्रमुख रूप से रहे। इस परियोजना में आईआईटी कानपुर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गौरतलब हो कि इस परियोजना की स्थापना के लिए अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर और जालौन में लगभग 5125 हेक्टेयर भूमि चिह्नित कर ली गई है । प्रो. जैन ने बताया कि आईआईटी (बीएचयू) डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर के लिए उत्कृष्टकता का केंद्र बने। इसके लिए सुरक्षा क्षेत्रों की अग्रणी संस्थान जैसे डीआरडीओ, ऑर्डिनेंस फैक्टरी आदि का भी सहयोग लिया जाएगा।